विश्व हिंदी सम्मेलन

- विश्व हिन्दी सम्मेलन हिन्दी भाषा का सबसे बड़ा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन है, जिसमें विश्व भर से हिन्दी विद्वान, साहित्यकार, पत्रकार, भाषा विज्ञानी, विषय विशेषज्ञ तथा हिन्दी प्रेमी जुटते हैं।

- अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी के प्रति जागरुकता पैदा करने, समय-समय पर हिन्दी की विकास यात्रा का आकलन करने, लेखक व पाठक दोनों के स्तर पर हिन्दी साहित्य के प्रति सरोकारों को और दृढ़ करने, जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहन देने तथा हिन्दी के प्रति प्रवासी भारतीयों के भावुकतापूर्ण व महत्त्वपूर्ण रिश्तों को और अधिक गहराई व मान्यता प्रदान करने के उद्देश्य से 1975 में विश्व हिन्दी सम्मेलनों की शृंखला आरम्भ की गयी।

- इस बारे में तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गान्धी ने पहल की थी। पहला विश्व हिन्दी सम्मेलन राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के सहयोग से नागपुर में सम्पन्न हुआ जिसमें प्रसिद्ध समाजसेवी एवं स्वतन्त्रता सेनानी विनोबा भावे ने अपना विशेष सन्देश भेजा।

- वर्ष 2006 से भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। विश्व स्तर पर हिंदी के प्रचार- प्रसार केलिए यह सकारात्मक प्रयास है। विश्व हिंदी सचिवालय मॉरिशस में है।

- अब तक आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलनों का विवरण निम्न प्रकार है-

1.	नागपुर (भारत)	वर्ष 1975
2.	पोर्ट लुई (मॉरिशस)	वर्ष 1976
3.	नई दिल्ली (भारत)	वर्ष 1983
4.	पोर्ट लुई (मॉरिशस)	वर्ष 1993
5.	पोर्ट ऑफ स्पेन (ट्रीनीडाड टुबैगो)	वर्ष 1996
6.	लंदन (इंगलैण्ड)	वर्ष 1999
7.	पारामारिबो (सूरीनाम)	वर्ष 2003
8.	न्यूयार्क (अमरीका)	वर्ष 2007
9.	जोहन्नासबर्ग (दक्षिण अफ्रीका)	वर्ष 2012
10.	भोपाल	वर्ष 2015
11.	पोर्ट लुई (मॉरिशस)	वर्ष 2018